

निर्देश— (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड—(क)

1. हिन्दी गद्य-साहित्य के इतिहास पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—

- (क) 'राजा भोज का सपना' रचना है— 1
 (i) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' की (ii) राजा लक्ष्मणसिंह की
 (iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की (iv) श्रद्धाराम फुल्लौरी की
- (ख) 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' के रचयिता हैं— 1
 (i) विट्ठलनाथ (ii) गोकुलनाथ (iii) नाभादास (iv) चतुर्भुजदास
- (ग) 'तपोभूमि' रचना किस विधा की है? 1
 (i) कहानी (ii) उपन्यास (iii) नाटक (iv) डायरी
- (घ) प्रथम डायरी के लेखक हैं— 1
 (i) इलाचन्द्र जोशी (ii) नरदेव शास्त्री
 (iii) वेदतीर्थ (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- (ङ) कुछ आप-बीती, कुछ जग बीती— 1
 (i) डायरी (ii) आत्मकथा (iii) संस्मरण (iv) जीवनी

2. हिन्दी पद्य-साहित्य के इतिहास पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—

- (क) रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस की रचना लिखी? 1
 (i) घनानन्द (ii) भूषण (iii) बिहारी (iv) सेनापति
- (ख) अष्टछाप के कवि नहीं हैं— 1
 (i) नन्द दास (ii) छीत स्वामी (iii) सूरदास (iv) भिखारीदास
- (ग) रामधारी सिंह 'दिनकर' किस काव्यधारा के कवि हैं? 1
 (i) छायावाद (ii) प्रगतिवाद (iii) राष्ट्रीय (iv) नई कविता
- (घ) सुमित्रानन्दन पंत की रचना है— 1
 (i) उर्वशी (ii) पल्लव (iii) परिमल (iv) कामायनी
- (ङ) 'चिदम्बरा' पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है— 1
 (i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) सुमित्रानन्दन पंत
 (iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

नीचे दिये गये गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$
 राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जायें तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए। जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है। संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में ही राष्ट्रीय जन के जीवन का सौन्दर्य और यश अतनिहित है।

1. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक एवं शीर्षक का नाम लिखिए।
2. राष्ट्र का तीसरा अंग क्या है?
3. राष्ट्र की वृद्धि कैसे सम्भव है?
4. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
5. संस्कृति का क्या तात्पर्य है?

अथवा

आज जिसे हम बहुमूल्य संस्कृति मान रहे हैं, वह क्या ऐसी ही बनी रहेगी? सम्राटों-सामन्तों ने जिस आचार निष्ठा को इतना मोहक और मादक रूप दिया था वह लुप्त हो गया, मध्य युग के मुसलमान रईसों के अनुकरण पर जो रस राशि उमड़ी थी वह वाष्प की भाँति उड़ गई, क्या यह मध्य युग के कंकाल में लिखा हुआ व्यावसायिक युग का कमल ऐसा ही बना रहेगा?

1. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
3. हम आज की संस्कृति को बहुमूल्य क्यों मान रहे हैं?
4. प्रस्तुत गद्यांश में किसके लुप्त होने की बात कही गई है?
5. धर्माचार्यों ने जिस ज्ञान को इतना मूल्यवान समझा था, वर्तमान में उसकी क्या दशा हुई?

4. नीचे दिये गये पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले,
जाके आए न मधुवन से ओ न भेजा संदेशा ॥

मैं रो-रो के प्रिय-विरह से वाबली हो रही हूँ।

जाके मेरी सब दुख-कथा श्याम को तू सुना दे ॥

1. पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।
2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
3. प्रस्तुत पद्यांश में राधिका किसको अपनी दूतिका बनाकर श्रीकृष्ण के पास अपना सन्देश भिजवाती हैं?
4. कृष्ण का सौन्दर्य कैसा है?
5. राधा की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

अथवा

“अब कौन अभीप्सित और आर्य वह किसका?

संसार नष्ट है, भ्रष्ट हुआ घर जिसका,

मुझसे मैंने ही आज स्वयं मुँह फेरा,

हे आर्य, बता दो तुम्हो अभीप्सित मेरा?”

प्रभु ने भाई को पकड़ हृदय पर खींचा

रोदन जल से सविनोद उन्हें फिर सींचा।

उसके आशय की थाह मिलेगी किसको?

जनकर जननी ही जान न पाई जिसको?

1. उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
 2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
 3. “भरतभद्र, अब कहो अभीप्सित अपना” पंक्ति किसने किससे कही थी?
 4. भरत के विचारों में कौन-सा रस स्पष्ट होता है?
 5. भरत की बातों को सुनकर श्री राम ने क्या किया?
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाएँ लिखिए— (शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5
- (i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
- (iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iii)

A/सामान्य हिन्दी, 12

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए— (शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

- (i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) जयशंकर प्रसाद

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए— (शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा
'बहादुर' कहानी के आधार पर 'बहादुर' का चरित्र-चित्रण लिखिए।

7. स्वपठित 'खण्डकाव्य' के 'द्वितीय अंक' का कथासार लिखिए। (शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा
स्वपठित 'खण्डकाव्य' की 'नायिका' का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड—(ख)

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

याज्ञवल्क्य उवाच— न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वैकामाय पतिः प्रियो भवति, न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रियो भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रियो भवति, न वा अरे पुत्रस्य वितस्य च कामाय पुत्रो वितं वा प्रिय भवति।

अथवा

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये-पद्ये च लालित्यं, भाव-बोध सामर्थ्यम् अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्र निर्माणार्थं यादृशी सत्प्रेरणां संस्कृत वाङ्मयं ददाति न तादृशी किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृत साहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी, दया, दानं-शौचम्, औदार्यम्-अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7

न मे रोचते भद्रं व उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं कुद्धो भविष्यति ॥

अथवा

काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए— 1+1=2

- (i) आगे कुआँ पीछे खाई (ii) अन्धे की लकड़ी
(iii) नौ दो ग्यारह होना (iv) अंगद का पैर होना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के उचित सन्धि-विच्छेद के पद का चयन कर लिखिए—

- (i) 'प्रभोदय' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(अ) प्रभु + उदयः (ब) प्रभो + दयः
(स) प्रभ + उदयः (द) प्रभा + उदयः
- (ii) 'शचीन्द्रः' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(अ) शची + इन्द्रः (ब) श + ईन्द्रः
(स) शचि + एन्द्रः (द) शची + एन्द्रः
- (iii) 'राजर्षिः' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(अ) राजा + ऋषिः (ब) रीज + ऋषिः
(स) राजः + ऋषिः (द) राजु + ऋषिः

P.T.O.

(ख) निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन के सही विकल्प का चयन कीजिए—

(i) 'आत्मने' में विभक्ति और वचन है—

- (अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन
(स) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन (द) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'नाम्ना' में विभक्ति और वचन है—

- (अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन (ब) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
(स) षष्ठी विभक्ति, एकवचन (द) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों के उचित अर्थ का चयन कीजिए—

(i) पंथ-पथ—

- (अ) पथिक और रास्ता (ब) सम्प्रदाय और मार्ग
(ग) चलना और बैठना (द) मार्ग और कार्य

(ii) प्रसाद-प्रासाद—

- (अ) कृपा और महल (ब) महल और कृपा
(ग) विशाल इमारत और कुटीर (द) भवन और वाटिका

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए— 1+1=2

(i) काल (ii) गुरु (iii) अंक

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए—

(i) ईश्वर में आस्था रखने वाला—

- (अ) आस्तिक (ब) नास्तिक
(स) आस्थावान (द) आस्थी

(ii) जो कभी बूढ़ा न हो—

- (अ) अजर (ब) युवा
(स) चिरजीवी (द) अवृद्ध

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए— 1+1=2

(i) आपको दवा लेना चाहिए।

(ii) उसने नौकरी छोड़ दिया है।

(iii) अपनी-अपनी पुस्तकें लाओ।

(iv) पक्षी पेड़ में बैठा है।

12. (क) 'शृंगार रस' अथवा 'शान्त रस' की परिभाषा तथा उदाहरण लिखिए। 2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा तथा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण तथा मात्रा सहित उदाहरण लिखिए। 2

13. अपने नगर में बाढ़ एवं घनघोर वर्षा के बाद जल भराव एवं गन्दगी के कारण संक्रामक रोग फैलने की आशंका को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी को एक पत्र लिखिए।

2+4=6

अथवा

किसी बैंक में शाखा प्रबन्धक को अपनी पुस्तक की दुकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए—

2+7=9

- (i) आंतकवाद—कारण और निवारण (ii) पर्यावरण प्रदूषण
(iii) महिला सशक्तिकरण (iv) इण्टरनेट
(v) बेलगाम महंगाई